दिनभर बारिश ने फीकी कर दी रक्षाबंधन की रौनक

खास बातें

- बरसते पानी और कीचड़ के बीच बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी
- उप जेल में भाई-बहनों का मिलन हुआ भावुक

नवभारत न्यूज

विदिशा 28 अगस्त, रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को सुबह से शाम तक रुक-रुककर होती रही बारिश ने त्योहार की रौनक फीकी कर दी. बरसते पानी के बीच बहनों और भाइयों को एक-दूसरे के घर पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा. कई स्थानों पर सड़कों पर कीचड़ जमा होने से लोगों को उसी के बीच से होकर गुजरना पड़ा. जगह-जगह वाहन फिसलते नजर आए. सजी-धजी बहनों के कपड़े कीचड़ में लथपथ हो गए, वहीं बारिश के कारण उनका श्रृंगार भी बिगड़ गया.

बारिश के कारण मंदिरों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और राखी बांधने के लिए घरों से निकलने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा. पैदल चलना मुश्किल होने के कारण ऑटो रिक्शा वालों का कारोबार खूब चला. लोग बारिश से बचने के लिए ऑटो रिक्शा का सहारा लेते नजर आए.

भाइयों की कलाई पर सजा रक्षा सूत्र

बारिश के बावजूद रक्षाबंधन का उत्साह कम नहीं हुआ. बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनका मुंह मीठा कराया. भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार दिए और जीवनभर उनकी रक्षा करने का आश्वासन दिया. घरों में बहनों ने पूजा-अर्चना के बाद भाइयों को तिलक लगाकर राखी बांधी.रक्षाबंधन पर इस बार एक अलग नजारा भी देखने को मिला. लोगों ने पेड़ों के साथ-साथ अपने वाहनों पर भी राखियां बांधीं. पर्यावरण और पेड़ों के प्रति संरक्षण का संदेश देते हुए कई लोगों ने पेड़ों को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया.रक्षाबंधन के अवसर पर हर वर्ष शहर में नाचते-गाते किन्नरों के समूह दिखाई देते थे, लेकिन इस बार हुए विवाद के चलते किन्नर नजर नहीं आए. इसके कारण भी शहर में रक्षाबंधन के दौरान दिखाई देने वाला पारंपरिक नजारा देखने को नहीं मिला.

उप जेल में भाई-बहनों का मिलन हुआ भावुक

रक्षाबंधन पर उप जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें पहुंचने लगीं. जेल प्रबंधन द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर भाई-बहनों को मिलने और राखी बांधने की विशेष छूट दी गई थी. बहनों ने अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी और उनसे वचन लिया कि भविष्य में वे कभी ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिसके कारण उन्हें दोबारा जेल जाना पड़े.इस दौरान कई बहनें अपने भाइयों की हालत देखकर भावुक हो गईं. उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े.

बहनों को रोता देखकर भाइयों की आंखें भी भर आईं और वे भावुक होकर रोने लगे. भाई-बहन के इस मिलन ने उप जेल का माहौल गमगीन कर दिया.जेल प्रबंधन की ओर से भाई-बहनों के लिए मुलाकात की व्यवस्था की गई और सभी का मुंह मीठा भी कराया गया. कुछ देर के इस मिलन में भाई-बहनों ने एक-दूसरे का हाल जाना और भविष्य में बेहतर जीवन जीने का संकल्प लिया. इस तरह बारिश के कारण जहां शहर में रक्षाबंधन की रौनक फीकी रही, वहीं उप जेल में भाई-बहन के रिश्ते की भावनात्मक तस्वीर देखने को मिली.

आनंदपुर में राखी के धागे में सिमटा भाई-बहन का प्यार

आनंदपुर में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास की भावुक तस्वीर देखने को मिली. बहन ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ भाई कैलाश शर्मा का तिलक किया, आरती उतारी और उसकी कलाई पर राखी बांधकर लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की. कैलाश शर्मा ने भी बहन को उपहार भेंट कर जीवनभर हर परिस्थिति में उसके साथ खड़े रहने और उसकी सुरक्षा व सम्मान का संकल्प लिया.इस अवसर पर भाई-बहन ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और पर्व की शुभकामनाएं दीं. परिवार में पूरे दिन उत्साह का माहौल रहा.कैलाश शर्मा ने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है. राखी का यह धागा केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है. रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती और अपनापन महसूस कराया.

गंजबासौदा में रिमझिम फुहारों के बीच सब जेल में भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं बहनें

गंजबासौदा. सावन की रिमझिम फुहारों और बरसते पानी के बीच भी भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन सब जेल गंजबासौदा में हर्षोल्लास से मनाया गया. बारिश की परवाह किए बिना दूर-दूर से बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं. दोपहर 2 बजे तक 126 बंदियों की कलाइयों पर बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया.भाइयों से मुलाकात के दौरान कई बहनें भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े. बहनों को भावुक देखकर भाई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके. इस दौरान बहनों ने भाइयों का हाल जाना और भविष्य में किसी भी गलत कार्य से दूर रहने की समझाइश दी.जेलर आलोक भार्गव ने बताया कि जेल विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार बंदियों की बहनों को प्रत्यक्ष मुलाकात की सुविधा दी गई थी. सुबह 9 बजे से राखी बांधने का क्रम शुरू किया गया. भीड़ को देखते हुए मुलाकात का समय बढ़ाया गया, ताकि सभी बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकें. जेल प्रशासन द्वारा बहनों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं.उन्होंने कहा कि बहनें अपने परिवार और आसपास के लोगों को यह संदेश दें कि कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिसके कारण उन्हें जेल जाना पड़े. परिवार और समाज को अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित करना ही पर्व की सार्थकता है.

नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में आरोपियों को किया गिरफ्तार

- शहर के छिपेटी बाजार का मामला
- घटना के विरोध करने पर दुकानदार से भी की थी मारपीट

नवभारत न्यूज

सिरोंज 28 अगस्त, शहर के छिपेटी बाजार क्षेत्र में नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के मामले में सिरोंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है. घटना को देखकर आसपास मौजूद दुकानदार ने इसका विरोध किया, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग खड़े हुए थे. इसके बाद आरोपियों ने अपने सहयोगियों के साथ आकर छेड़छाड़ का विरोध करने वाले दुकानदार और दुकान के कर्मचारी के साथ भी मारपीट एवं गाली-गलौज की थी. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और चाकू भी जब्त किया है.

जानकारी के अनुसार गुरुवार को छिपेटी बाजार क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका के साथ आरोपियों द्वारा छेड़छाड़ की गई. घटना को देखकर आसपास मौजूद दुकानदार ने इसका विरोध किया, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग गए. आरोप है कि कुछ समय बाद आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और दुकान में घुसकर विरोध करने वाले दुकानदार तथा उसके कर्मचारी के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज की. घटना के संबंध में थाना सिरोंज में दोनों मामलों में अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए. मामले की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग थाना परिसर पहुंचे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. घटना की गंभीरता को देखते हुए जिले के विभिन्न थानों से अतिरिक्त पुलिस बल भी सिरोंज बुलाया गया.

पुलिस ने अलग-अलग टीम गठित कर की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिरोंज सोनू डावर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुरवाई रोशनी ठाकुर के मार्गदर्शन में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया. टीमों को आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं. पुलिस टीमों ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले. साथ ही दुकानदारों द्वारा बताए गए आरोपियों के हुलिए के आधार पर उनकी तलाश शुरू की गई. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं चाकू भी जब्त किया है. इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया.

आज मनाई जाएगी भगवान लव-कुश जयंती, निकलेगी भव्य शोभायात्रा

नवभारत न्यूज

विदिशा. कुशवाह महासभा जिला विदिशा के तत्वावधान में शनिवार 29 अगस्त को भगवान श्री लव-कुश जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा भगवान लव-कुश की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी.कार्यक्रम की शुरुआत पुराना बस स्टैंड स्थित सत्संग भवन में सुबह 10 बजे पूजा-अर्चना के साथ होगी. इसके बाद सुबह 11 बजे अतिथियों का स्वागत किया जाएगा.दोपहर 12 बजे सत्संग भवन से भगवान लव-कुश की शोभायात्रा प्रारंभ होगी. शोभायात्रा माधवगंज, मुख्य मार्ग, निकासा, तिलक चौक, बड़ा बाजार होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंचेगी. इसके बाद बजरिया में शोभायात्रा का समापन किया जाएगा.आयोजकों ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान लव-कुश जयंती महोत्सव को भव्य बनाने की अपील की है.

भाई ने बहन को दिया पौधा, रक्षाबंधन पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- राखी के बदले बहन को भेंट किया पारिजात का पौधा
- बहन ने छोटे भाई की तरह देखभाल करने का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज

विदिशा, रक्षाबंधन पर्व पर शिक्षक राजेंद्र कुमार राय ने अनूठी पहल करते हुए अपनी बहन से राखी बंधवाने के बाद उपहार के रूप में पारिजात का पौधा भेंट किया. भाई द्वारा दिए गए इस अनोखे उपहार को पाकर बहन ने कहा कि जिस तरह वह अपने छोटे भाई का ध्यान रखती हैं, उसी तरह इस पौधे की भी देखभाल करेंगी.

भाई-बहन ने पौधे को सहेजने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया. इस

अवसर पर रक्षाबंधन पर्व मनाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश दिया गया.पारंपरिक उपहारों की जगह पौधा भेंट कर भाई ने प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया. इस पहल ने भाई-बहन के प्रेम के साथ पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी जोड़ा.

वर्षा के दौरान पुल-पुलियों पर बरतें पूरी सावधानी-कलेक्टर

नवभारत न्यूज

विदिशा. वर्षा ऋतु के दौरान नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने और अचानक पानी का बहाव तेज होने की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले में पुल-पुलियों एवं नदी-नालों के आसपास पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव अथवा नदी-नालों में पानी का बहाव बढ़ने की स्थिति में आवागमन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो.कलेक्टर ने कहा कि बारिश के दौरान नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है. ऐसी स्थिति में पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने या जलभराव होने पर लोगों को वहां से आवागमन नहीं करने दिया जाए. उन्होंने संबंधित अधिकारियों और मैदानी अमले को संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं.

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र, ईश्वर से की दीर्घायु की कामना

नवभारत न्यूज

पठारी. भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन पठारी क्षेत्र में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया. बुधवार शाम से शुरू हुआ रक्षाबंधन का उल्लास गुरुवार सुबह तक जारी रहा. सुबह से ही नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में बहनें पूजा की थाली लेकर पहुंचीं और भगवान से अपने भाइयों की

सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की.बहनों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अपने भाइयों के लिए मंगल कामना की. इसके बाद घर पहुंचकर भाइयों की आरती उतारी, माथे पर तिलक लगाया और मुंह मीठा कराते हुए उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र के रूप में राखी बांधी. राखी बांधने के बाद बहनों ने अपना उपवास खोला.

रक्षाबंधन पर मुक्तिधाम परिसर में पौधारोपण के साथ पौधों को बांधा रक्षा सूत्र, जीवनभर देखभाल का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज

विदिशा. रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुक्तिधाम परिसर में पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया गया. मुक्तिधाम सेवा समिति की ओर से पौधारोपण करने के साथ पौधों को रक्षा सूत्र बांधा गया और जीवनभर उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया गया.

मुक्तिधाम सेवा समिति के सचिव मनोज पांडे ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर परिसर में बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया. इस अवसर पर मुक्तिधाम एवं रेडक्रॉस केंद्र से जुड़ी वैष्णवी राजपूत के जन्मदिन के उपलक्ष्य में वाटर पाम और जामुन के पौधे भी रोपे गए.मनोज पांडे ने कहा कि जिस प्रकार परिवारजन हमारे सुख-दुख और जीवन-मरण में साथी होते हैं, उसी प्रकार पौधों से भी मानव जीवन जैसा रिश्ता बनाना जरूरी है. पौधे हमें जीवनदायिनी वायु, छाया और पर्यावरण संतुलन प्रदान करते हैं, इसलिए उन्हें भी परिवार का हिस्सा मानकर उनकी देखभाल करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि पौधों से जीवनभर का रिश्ता बनाकर हम प्रकृति की रक्षा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर सकते हैं.रक्षाबंधन के दिन मुक्तिधाम के अंतिम क्रिया स्थल परिसर में करीब 12 फीट ऊंचाई के वाटर पाम का पौधा लगाया गया. इसी स्थान पर पहले इसी प्रजाति का पेड़ हरियाली प्रदान कर रहा था, लेकिन लंगूरों द्वारा लगातार नुकसान पहुंचाए जाने के कारण वह पूरी तरह नष्ट हो गया था.

697 ठिकानों पर एक साथ दबिश, 355 से अधिक पुलिसकर्मी मैदान में

- मेगा नाइट कॉम्बिंग ऑपरेशन में 237 वारंटों का निष्पादन
- 225 बदमाशों के ठिकानों पर दबिश

नवभारत न्यूज

विदिशा,अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए विदिशा पुलिस ने 27-28 अगस्त की मध्यरात्रि जिलेभर में मेगा नाइट कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया.

पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना के आदेशानुसार और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में 355 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मैदान में उतरे. 5 एसडीओपी और 23 थाना प्रभारियों ने कार्रवाई की निगरानी की. अभियान के दौरान 237 लंबित वारंटों का निष्पादन किया गया। इनमें 21 स्थायी, 78 गिरफ्तारी और 138 जमानती वारंट शामिल हैं. वहीं अपराधियों और संदिग्धों की धरपकड़ एवं निगरानी के लिए 225 गुंडा-बदमाशों के ठिकानों पर दबिश, 16 जिला बदर व्यक्तियों और 129 हिस्ट्रीशीटरों की जांच की गई.

रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ 65 होटल-ढाबों और 25 डेरों की भी सघन चेकिंग की गई। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 16 प्रकरण दर्ज कर 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 61.74 लीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत करीब 33,480 रुपए है, जब्त की. सट्टे के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर 1,220 रुपए की राशि भी जब्त की गई. पुलिस के अनुसार जिले में अपराधियों, अवैध गतिविधियों और संदिग्ध तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस तरह के आकस्मिक एवं सघन अभियान आगे भी जारी रहेंगे. पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, अवैध गतिविधि या अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें.

आयोजन | **प्राचीन उदयपुर की धरती पर कदम-कदम पर बिखरी हैं ऐतिहासिक धरोहरें**

पहाड़ेश्वर मंदिर में कतारबद्ध होकर पहुंच रहे श्रद्धालु

- महादेव के दर्शन कर उठा रहे धर्मलाभ
- खुदाई में लगातार निकलती हैं कलात्मक पत्थर की मूर्तियां

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 28 अगस्त, ग्राम उदयपुर देहरा में भगवान महादेव का प्राचीन और कलात्मक पत्थरों से निर्मित प्रमुख मंदिर गांव के मध्य स्थित है. इसके अलावा उदयपुर की पहाड़ियों और आसपास के क्षेत्र में भगवान शिव सहित अनेक प्राचीन मंदिर मौजूद हैं, जिनसे जुड़ी अलग-अलग किंवदंतियां और धार्मिक मान्यताएं क्षेत्र में प्रचलित हैं. इन दिनों पहाड़ पर स्थित पहाड़ेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. श्रद्धालु कतारबद्ध होकर मंदिर पहुंच रहे हैं और भगवान महादेव के दर्शन कर धर्मलाभ उठा रहे हैं.

उदयपुर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि प्राचीन कला और स्थापत्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान है. पूरे क्षेत्र में जगह-जगह पत्थर की कलात्मक मूर्तियां दिखाई देती हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, जब भी क्षेत्र में खुदाई होती है तो प्राचीन मूर्तियां और अवशेष निकल आते हैं. इससे यह संभावना जताई जाती है कि वर्तमान भू-भाग के नीचे कभी पुरानी बस्ती रही होगी. कई स्थानों पर खुदाई के दौरान पुराने और जर्जर भवनों के अवशेष भी सामने आए हैं.

कभी घने जंगलों के बीच बसा था उदयपुर

एक समय उदयपुर घने जंगलों से घिरा हुआ क्षेत्र माना जाता था. यहां शेर, तेंदुए, हिरण, जंगली सूअर, रीछ सहित अनेक वन्यजीव और बड़ी संख्या में पक्षी पाए जाते थे. बुजुर्ग बताते हैं कि पहले शाम ढलने के बाद लोग सुरक्षा की दृष्टि से घरों से बाहर निकलने से भी बचते थे.समय के साथ जंगलों का क्षेत्र लगातार कम होता गया. पेड़ों की कटाई और अतिक्रमण के कारण प्राकृतिक स्वरूप में बड़ा बदलाव आया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अब पहले जैसी पक्षियों की चहचहाहट सुनाई नहीं देती और वन्यजीवों का दिखाई देना भी लगभग बंद हो गया है.

धरोहर और जंगल दोनों के संरक्षण की जरूरत

उदयपुर की प्राचीन धरोहरों, मंदिरों, मूर्तियों और प्राकृतिक संपदा के संरक्षण को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों, माफिया और संगठित गिरोहों के कारण क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचा है. उदयपुर में अवैध गतिविधियों और धरोहरों के संरक्षण का मुद्दा कई बार चर्चा में आया, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया.जरूरत इस बात की है कि पुरातत्व विभाग और वन विभाग संयुक्त रूप से उदयपुर क्षेत्र का सर्वे कराकर प्राचीन मंदिरों, मूर्तियों, भवन अवशेषों और वन भूमि का सीमांकन करें. साथ ही गायब हुई प्राचीन मूर्तियों की जानकारी जुटाकर उनकी तलाश और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि ऐतिहासिक उदयपुर की पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके.

संरक्षण के अभाव में गायब हो रही प्राचीन धरोहर

स्थानीय लोगों का कहना है कि उदयपुर में पुरातत्व और वन विभाग से जुड़ी भूमि का भी अपेक्षित संरक्षण नहीं हो पा रहा है. प्राचीन मूर्तियों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठते रहे हैं. बड़ी संख्या में ऐतिहासिक मूर्तियां अब क्षेत्र से गायब हो चुकी हैं. आरोप है कि इनमें से कुछ मूर्तियां तस्करों के माध्यम से बाहर पहुंचाई गईं और आज कथित रूप से बड़े-बड़े बंगलों, फार्म हाउस और बगीचों की सजावट का हिस्सा बनी हुई हैं.इतिहास और कला के जानकारों के लिए उदयपुर की प्राचीन धरोहरें आकर्षण का केंद्र हैं. यहां मौजूद मंदिरों और पत्थर की कलाकृतियों को देखने देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं. प्राचीन स्थापत्य और बिखरी हुई मूर्तियां यहां के समृद्ध इतिहास की कहानी बयां करती हैं.

परंपरागत रूप से श्रावणी उपक्रम संपन्न

- नौलक्खी धर्मशाला में वैदिक विधि-विधान से हुआ हेमाद्रि, प्रायश्चित, ऋषि पूजन, तर्पण और हवन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. सिरोंज चौराहा स्थित नौलक्खी धर्मशाला में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी ब्रह्मलीन श्री करोड़ीलाल त्यागी जी द्वारा स्थापित श्रावणी उपक्रम विधि-विधान एवं वैदिक परंपरा के साथ संपन्न हुआ. प्रातः 8 बजे से आयोजित कार्यक्रम में नगर के वैदिक विद्वान एवं कर्मकांडी ब्राह्मणों के साथ समाजजनों ने समूह में भाग लिया.

श्रावणी उपक्रम के दौरान ऋषि परंपरा के अनुसार हेमाद्रि, प्रायश्चित एवं संकल्प कराया गया. इसके बाद दशविधि स्नान और संध्या पूजन संपन्न हुआ. ऋषि पूजन एवं तर्पण के साथ हवन, आरती तथा प्रसाद वितरण किया गया.कार्यक्रम ब्रह्मलीन श्री करोड़ीलाल त्यागी जी की परंपरा से संबंधित है. उनके नाती श्री परमानंद शास्त्री, भोपाल द्वारा पूजन संपन्न कराया गया. कार्यक्रम के संयोजक पंडित दीपक तिवारी ने कहा कि प्रत्येक ब्राह्मण को श्रावणी पर्व की परंपरा का निर्वहन करना चाहिए.पंडित अरविंद अवस्थी ने श्रावणी पर्व की महत्ता बताते हुए कहा कि यह ब्राह्मणों की मूल शाखा को सींचने और उसकी जड़ों को मजबूत करने की परंपरा है. श्रावणी के माध्यम से वर्षभर में जाने-अनजाने हुए कर्मों के लिए प्रायश्चित किया जाता है. इसके साथ ही वैदिक कर्मकांड के अनुसार ब्राह्मणों को अपने यजमानों का पूजन करने का अधिकार प्राप्त होता है.

श्रावणी के बिना ब्रह्मतत्व अधूरा

पंडित वरुणेंद्र चौबे, कमलेश दुबे एवं सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रावणी के बिना ब्राह्मणों का ब्रह्मतत्व अधूरा माना जाता है. पंडित रामप्रसाद निर्दोष महाराज ने कहा कि विशेष रूप से ब्राह्मणों को अपने मुख्य कर्म और वैदिक परंपराओं का निरंतर पालन करते रहना चाहिए.इस अवसर पर ऋषि स्वरूप में बृजनारायण शर्मा, आनंदपुर का पूजन किया गया.कार्यक्रम में आनंद मिश्रा, महेश चौबे भोपाल, निर्मल कुमार भृगु, कुलदीप दुबे, भास्कर शर्मा, शिवम दुबे, भागवती दुबे, मनोहर शास्त्री, संजय दुबे, गजेंद्र दुबे, नारायण प्रसाद दुबे, मुरारी दुबे, राधेश्याम दुबे, आदित्य शर्मा, डॉ. अशोक रोहिले, नंदकिशोर सोनी सहित वैदिक कर्मकांड से जुड़े विद्वान एवं समाजजन उपस्थित रहे.